an>

Title: Need to improve health care facilities in the hospitals in Banda Parliamentary Constituency of Uttar Pradesh.

श्री भैरों प्रसाद मिश्र : सभापति जी, फार्मासिस्टों की पदस्थापना में उत्तर प्रदेश की सत्ता का दबाव इतना अधिक है कि फार्मासिस्ट जिला मुख्यालय में ही कुंडली जमाए बैठे हैं। केंद्र सरकार जो अस्पताल खोलना चाहती है या तो नजदीक खोले जाएं या राज्य सरकार पर दबाव डाले कि चिकित्सा व्यवस्था को ठीक करे। स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतर गिरती हालत और ग्रामीण क्षेत्र में बढ़ती बीमारी से जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। इलाज के अभाव में निरंतर लोग अकाल मृत्यु झेलने को मजबूर हैं। वहां ट्रोमा सेंटर खोलने की आवश्यकता है। ग्रामीण अंचलों में सचल चिकित्सा वाहन चलाए गए थे, वे भी काफी समय से बंद कर दिए गए हैं। गरीब और असहाय रोगी मजबूरी में 150 किलोमीटर दूर इलाहाबाद या 200 किलोमीटर दूर लखनऊ अथवा 220 किलोमीटर दूर कानपुर जाने के लिए सूदखोरों से मनमानी ब्याज पर कर्ज ले कर इलाज हेतु जाते हैं। महंगे इलाज से यदि ठीक भी हो जाते हैं तो इलाज के लिए जो कर्ज लेते हैं उसे वापिस करने के लिए खेतीबाड़ी तथा बहु बेटियों के जेवरात तक बेचने पड़ते हैं।

अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से मैं सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए बांदा-चित्रकूट लोकसभा क्षेत्र के दर्जनों सुविधाविहीन अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति सुधारने के लिए भारत सरकार से अनुरोध कर रहा हूं ताकि मूलभूत सुविधा के अभाव में अमूल्य जिंदगी के लगातार ह्रास को रोका जा सके।